दैनिक भास्कर
गिरिडीह भास्कर 18-10-2021

शोध से जुड़े कार्यों में नैतिकता का पालन होनी चाहिएः डॉ. रमेश शरण

सरिया कॉलेज सरिया के वाणिज्य विभाग व आइक्यूएसी में हुआ सेमीनार

भास्कर न्यूज़ | सरिया

सरिया कॉलेज सरिया में वाणिज्य विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में शोध प्रविधि विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र मे मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ (प्रो) रमेश शरण उपस्थित थे। उन्होंने कहा की 21वी सदी में शोध का विशेष महत्व है। शोध में आईसीटी का उपयोग करने की जरूरत है। शोध कार्यों में शोध नैतिकता का पालन करने की आवश्यकता है। वहीं द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता के रूप में बिनोवा भावे विश्वविद्यालय एमबीए विभाग के एसोसिएट प्रो डॉ सरोज रंजन ने शोध क्या है,शोध की शुरुआत कैसे करनी है, शोध की तकनीक का उपयोग कैसे करनी है, शोध के लिए समस्या का क्या महत्व है, शोध परिकल्पना करने के कौन से तरीके हैं। इस कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने की तथा स्वागत प्रो रविंद्र कुमार मिश्रा एवं द्वितीय सत्र के लिए डॉ सतीश कुमार वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरुण कुमार एवं प्रो प्रमोद कुमार ने की। ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में कार्तिक प्रसाद यादव, डॉ. ज्योति मीणा, बृजेश कुमार विभूति संजीव कुमार ,प्रतिभा अग्रवाल, सुमित चौहान, नम्रता गैण, प्रो. डॉ बुध देव, डॉ अर्चना श्रीवास्तव आदि जुड़े थे।

साव, वीरेंद्र कुमार सिंह, अनुसेवक लालजीत हाजरा, श्रीकांत सिंह आदि मौजूद थे.

शोध कार्यों में नैतिकता का पालन हो : डॉ रमेश

सरिया. सरिया कॉलेज में रविवार को वाणिज्य विभाग एवं आइक्यूएसी ने शोध प्रविधि विषय पर राष्ट्रीय बेविनार का आयोजन किया गया. प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ (प्रो) रमेश शरण ने कहा कि 21वीं सदी में शोध का विशेष महत्व है. शोध में आईसीटी का उपयोग करने की जरूरत है. शोध कार्यों में शोध नैतिकता का पालन करना जरूरी है. साहित्यिक चोरी, लिटरेचर रिव्यू, शोध तकनीक आदि विषय की जानकारी दी. वहीं द्वितीय सत्र के विशेष वक्ता विभावि के एमबीए विभाग के एसोसिएट प्रो डॉ सरोज रंजन ने शोध शुरू करने व तकनीक के संबंध में बताया. संचालन प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने किया. स्वागत प्रो रविंद्र कुमार मिश्रा व डॉ सतीश कुमार वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरुण कुमार व प्रो प्रमोद कुमार किया. ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में कार्तिक प्रसाद यादव, डॉ ज्योति मीणा, ब्रजेश कुमार विभूति, संजीव कुमार, प्रतिभा अग्रवाल, सुमित चौहान, नम्रता गैण, प्रो डॉ बुद्धदेव, डॉ अर्चना श्रीवास्तव, जयवीर सिंह, रवि कुमार सिन्हा, रेणु रानी, प्रिया समेत विभिन्न राज्यों के शिक्षाविद जुड़े.

2021-10-18 06:14

7:24 0.12 KB/S 82%
Select text

तक दुकानें बंद रखी जाएगी. करीब-करीब दुकानें बंद रहने से बाहर से आए लोगों को खरीदारी करने में भारी परेशानी

लाउडस्पिकर बांधा गया था। आवाज में लाउडस्पिकर से भ जा रहा था। अचानक बैं

शोध कार्यों में शोध नैतिकता का पालन होनी चाहिए : डॉ रामेश शरण

नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह): रविवार को सरिया कॉलेज सरिया में वाणिज्य विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में शोध प्रविधि विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र मे मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ (प्रो) रमेश शरण उपस्थित थे। उन्होंने कहा की 21वी सदी में शोध का विशेष महत्व है। शोध में आईसीटी का उपयोग करने की जरूरत है। शोध कार्यों में शोध नैतिकता का पालन करने की आवश्यकता है। साहित्यिक चोरी,लिटरेचर रिव्यू , शोध तकनीक आदि विषय में भी विशेष जानकारी दी। वहीं द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता के रूप में बिनोवा भावे विश्वविद्यालय एमबीए विभाग के एसोसिएट प्रो डॉ सरोज रंजन ने शोध क्या है ,शोध की शुरूआत कैसे करनी है, शोध की तकनीक का उपयोग कैसे करनी है ,शोध के लिए समस्या का क्या [illegible] है, श परिकल्पना क[illegible] न तरीके हैं। इन सारे विषयों में सह और सरल भाषा में जानकारी प्रतिभागियों को दिए । इस कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने की तथा स्वागत प्रो रविंद्र कुमार मिश्रा एवं द्वितीय सत्र के लिए डॉ सतीश कुमार वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरुण कुमार एवं प्रो प्रमोद कुमार ने की । ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबीनार में कार्तिक प्रसाद यादव ,डॉ ज्योति मीणा, बृजेश कुमार विभूति संजीव कुमार ,प्रतिभा अग्रवाल, सुमित चौहान, नम्रता गैण , प्रो डॉ बुध देव ,डॉ अर्चना श्रीवास्तव ,जय वीर सिंह रवि कुमार सिन्हा, रेनू रानी, प्रिया समेत देश के विभिन्न राज्यों से कई प्रतिभागी जुड़े हुए थे।

4/12

यूपीएससी में सफल विकास महतो को कुड़मी समाज ने किया अभिनंदन